

(V) अपादान कारक सम्बन्धी अशुद्धि - 'से'

वह आज सवेरे का उबर रहा है।

वह आज सवेरे से उबर रहा है।

वहाँ का घी शुद्ध होता है।

वहाँ से भाया हुआ घी शुद्ध होता है।

अजय गाँव का दूध लाकर शहर में बेचता है।

अजय गाँव से दूध लाकर शहर में बेचता है।

विकास ने बैंक में चैक अँजा लिया।

विकास ने चैक अँजाकर बैंक से धनराशि ले ली।
घुड़सवारी सीखते में घोड़े पर से गिर पड़ा।

घुड़सवारी सीखते दुरु में घोड़े से गिर पड़ा।

—पंचल मन होते दुरु संसार में विरक्त होना कठिन है।

—पंचल मन होते दुरु संसार से विरक्त होना कठिन है।

(vi) सम्बन्ध कारक सम्बन्धी अशुद्धि - 'का/की/के'

यह पानी का कुड्दा है।

यह कुड्दा है।

राम श्याम के गाँव अलग-अलग हैं।

राम का और श्याम का गाँव अलग-अलग हैं।

यह विदेश का आदमी यहाँ कैसे आ गया?

यह विदेशी यहाँ कैसे आ गया?

यहाँ गाँव के विद्यार्थियों के छात्र हैं।

यहाँ ग्रामीण विद्यार्थियों के छात्र हैं।

गधे के आगे हत्य करना सूखी पूर्ण बात है।

गधे के आगे हत्य करना सूखी की बात है।

(Vii) अधिकरण कारक सम्बन्धी अशुद्धि - 'में, पर'
घर कौन है? मुझे कुछ पूछना है।
घर पर कौन है? मुझे उनसे कुछ पूछना है।
आज बजार के ऊपर बहस होगी।
आज बजार पर बहस होगी।

आदर्श वाक्य है कि माता-पिता से आस्था रखो।
 आदर्श वाक्य है कि माता-पिता पर आस्था रखो।
 कुल सायं से ही चिड़िया पेड़ में है।
 कुल सायं से ही चिड़िया पेड़ पर है।
 इतनी रात गए कुझों में कौन पानी भर रहा है?
 इतनी रात गए कुझों पर कौन पानी भर रहा है?
 उसकी मिठाइयों में मक्खियाँ बैठ रही हैं।
 उसकी मिठाइयों पर मक्खियाँ बैठ रही हैं।

⑥ व्याकरणिक कोटियों से सम्बन्धित अशुद्धि:-

विद्यालय में हुई विषय पढ़ना पड़ता है।

विद्यालय में हुई विषय पढ़ने पड़ते हैं।

वह भड़की मधुर गीत गा रहा है।

वह भड़की मधुर गीत गा रही है।

आई मेरे वस्तुओं का ध्यान रखना।

आई मेरी वस्तुओं का ध्यान रखना।

इतनी पुस्तकें सभी को नहीं मिलेंगे।

इतनी पुस्तकें सभी को नहीं मिलेंगी।

उन सबकी सारी आकृति विकृत हो गए।

उन सबकी सारी आकृतियाँ विकृत हो गईं।

प्रत्येक छात्र अनुपस्थिति दण्ड देने होगी।

प्रत्येक छात्र को अनुपस्थिति पर दण्ड देना होगा।

हम दोनों की स्थिति समान है।

हम दोनों की स्थितियाँ समान हैं।

> वचन संबंधी

समादरणीय प्राध्यापिका कहाँ हैं?

समादरणीया प्राध्यापिका कहाँ हैं?

> लिंग संबंधी